फोर्म नंबर .....

शेठ आणंदजी कल्याणजी

(धार्मिक धर्मादा ट्रस्ट)

(अखिल भारतीय जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्री संघ के प्रतिनिधि)

२५, वसंतकुंज, नया शारदा मंदिर रोड, पालडी, अहमदाबाद - ३८० ००७.
फोन : २६६०८२४४ / २६६०८२५५

दिनांक :

श्री जिनालय में लाभ लेने हेतु

(सिर्फ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के लिए)

१) श्री संघ का नाम :-

२) श्री संघ का पता - गाँव का नाम :- तालुका :-
जिला :- राज्य :- पीन कोड नं. :-
संपर्क के लिए फोन नं.: STD कोड टे.नं. मो.नं.

३) जिनालय का काम जो अन्य श्री संघ या कमिटि द्वारा हो रहा हो तो उस श्री संघ का या कमिटि का नाम :-

४) जिनालय जिस क्षेत्र वहाँ श्वे.मू.पू. जैनों के घर की संख्या :-

५) पब्लिक ट्रस्ट एक्ट के मुताबिक पंजीकृत हुआ है या नहीं ? :- रजी.सं.: दिनांकः
(ट्रस्ट पंजीकृत होना आवश्यक है। ट्रस्ट के बंधारण की एवम् पंजीकरण की प्रत संलग्न रखें।)

६) ट्रस्ट के हिसाब ओडिट होता है। हा/ना परमेनन्ट एकाउन्ट (PAN)नंबर :-
(पीछले दो साल के ओडिट रीपोर्ट की प्रत संलग्न रखें।) (PAN की प्रत भी भेजें)

७) श्री संघ का किस नाम से बैंक में खाता है :-

७-ए) बैंक का नाम :- एकाउन्ट नं.:-
(पासबुक में बैंक एका.नंबर लिखा हो उस पेईज की छायाप्रति ट्रस्टीश्रीओं के दस्तखत के साथ एवम् ब्लेन्क चेक की छायाप्रति भेजें।)

८) श्री संघ के ट्रस्टी एवं संचालनकर्ता के नाम एवं पते की माहिती।

क्रम	ट्रस्टीश्री का नाम	पता	फोन नंबर
१.			
२.			
३.			
४.			

९) यह पूरी कामगीरी का संचालन करनेवाले का नाम :- फोन नं. :-

१०) सीफारिश करनेवाले का नाम एवं पता :-
(हो सके तो सीफारिश पत्र की छायाप्रति संलग्न रखें)

जिनालय जिर्णोद्धार

१) जिनालय फिलहाल कितने वर्ष प्राचीन है :-
(हो सके तो जिनालय की हाल ही की तस्वीर भेजे)

२) (अ) मूलनायक भगवान का नाम एवं तकरीबन ऊँचाई (साईझ) :-

(ब) अन्य पाषाण के कुल कितने प्रतिमाजी है ? :-

३) जिर्णोद्धार काम का शिल्पी द्वारा करवाया गया कुल खर्च का अंदाजा :-
(शिल्पी से विगतवार नाप के साथ आईटमवाईझ हर चो.फीट/घ.फीट की किमत का मेल होना चाहिए) एस्टीमेट की प्रत अवश्य भेजे, अगर हाल ही के जिनालय का प्लान हो तो उसमें जो सुधार करना है, वह लाल रंग से दर्शाकर प्लान की प्रत भेजे।

४) जिर्णोद्धार निम्नोक्त विकल्पों में से किस तरह कराना है, उस बारे में जानकारी देने की बिनती है।

अ. प्रतिमाजी का बिना उत्थापन किये जिनालय का जिर्णोद्धार करवाना है ?

या

ब. मूलनायक भगवान का उत्थापन करके जिनालय नये शीरे से करवाना है ?
मूल जगह छोडकर किसी अन्य जगह पर नये शीरे से करवाना है ?
अगर जगह बदलनी हो तो, हेतु स्पष्ट करें।
मूलनायक भगवान की फिर से प्रतिष्ठा करोगे या नये मूलनायक भगवान की प्रतिष्ठा करोगे ?
हेतु स्पष्ट करें।

क. नये विशेष प्रतिमाजी की प्रतिष्ठा होगी या नहीं ?

गर्भगृह की माहिती

५) गर्भगृह में बाँधकाम नये शीरे से करवाना है ?
गर्भगृह में आरस नया लगाना है ?
(उपर्युक्त काम करवाना हो तो गर्भगृह के नाप के साथ का प्लान बनवाकर भेजे। गर्भगृह के अंदर की ऊँचाई बतायें, जिससे गर्भगृह के लिए अलग से राशि दी जा सके।)

नूतन जिनालय

१) मूलनायक भगवान का नाम एवं ऊँचाई (साईझ) :-
नोंध :- मूलनायक भगवान प्राचीन लानेवाले हो
तो उसकी माहिती :-
अन्य पाषाण के कुल कितने प्रतिमाजी प्रतिष्ठित
करने है ?

२) जिस जगह पर नूतन जिनालय बनेगा उसके नजदीक से :-
नजदीक अन्य जिनालय तकरीबन कितनी दुरी पर है ?

३) जिनालय जिस जगह पर बनेगा, उस जमीन श्री संघ के :-
नाम पर हुई है या नहीं ?

४) शिल्पी से तैयार करवाया एस्टीमेट, देरासर तल प्लान, :-
साईड एलीवेशन की प्रत संलग्न रखें।
नूतन जिनालय का शिल्पी द्वारा बनाया गया अंदाजा
कुल खर्च रु. (शिल्पी के
पास विगतवार नाप के साथ आईटमवार हर घ.फीट/
चो.फीट की किमत मिलाना आवश्यक है।)

निम्नोक्त माहिती जिर्णोद्धार एवं नूतन जिनालय दोनों के लिए देनी आवश्यक है।

फंड

इस काम के लिए श्री संघ ने ईकट्ठा किये हुए फंड की माहिती

अ. श्री संघ के पास पहले जमा हुई राशि का बेलेन्स रु.
(देवद्रव्य की एफ.डी. की माहिती दें।)

ब. स्थानीय श्री संघ की ओर से ईकट्ठा कि गई राशि रु.

क. अन्य श्री संघ, व्यक्ति या संस्था की ओर से मिली रु.
सहयोग राशि

कुल फंड रु.

ड. अन्य श्री संघ, व्यक्ति या संस्था की ओर से मिले
सहयोग वचन राशि रु.

जो भी व्यक्ति, श्री संघ या संस्था की ओर से बडी राशि का लाभ लिया गया हो/वचन मिला हो तो उसकी माहिती देना आवश्यक है।

क्रम. नाम/पता लाभ लि गई राशि

विशेष नोंध

पेढी आपके जिनालय के कार्य में लाभ लेने के लिए उत्सुक है। पेढी की ओर से जल्द से जल्द आपके कार्य में सहभागी हो सके उसके लिए आवश्यक माहिती माँगी गई है, इस लिए जितना हो सके पूरी माहिती भेजने की विनम्र बिनती है।

पेढी की ओर से लाभ लि गई राशि की जानकारी दी जाती है। जैसे जैसे काम होगा, उस हिसाब से हो चुके काम की तस्वीरें एवं कुल खर्च की राशि की जानकारी मिलने पर हो चुके काम के आधार पर राशि भेजी जायेगी। (**किये गये खर्च के बिल, वाउचर्स की प्रत न भेजें**)

यहाँ से जितनी राशि का लाभ लिया गया है, वह देवद्रव्य की राशि होने के कारण उसका उपयोग सिर्फ देरासर बाँधकाम के लिए ही हो सकता है। उपाश्रय, धर्मशाला, केसर-सुखड रुम, देव-देवी का बाँधकाम, गुरु मंदिर ईत्यादि के लिए उसका उपयोग नहीं हो सकता है। देवद्रव्य की राशि का खर्च अन्य काम के लिए करने से उभयपक्ष पर श्री संघ को दोष लगता है, इस लिए यह राशि सिर्फ देवद्रव्य के बाँधकाम के लिए ही उपयोग करने की बिनती है।

पेढी के नियमानुसार जितनी राशि का लाभ लिया गया है, उसके लिए जिनालय के किसी भी हिस्से में ४'' x ६'' (चार ईंच x छ ईंच)की साईझ में आरस की तक्ती में निम्नोक्त लिखान करवा के, उसकी तस्वीरें भेजनी होगी।

''इस जिनालय जिर्णोद्धार/निर्माण में शेठ आणंदजी कल्याणजी पेढी (ट्रस्ट) की ओर से रु..... का सहयोग दे कर लाभ लिया है।''

उपर्युक्त सभी माहिती हमने दी है, और उसके समर्थन में हमने हस्ताक्षर किये है।

नोंध :-जो माहिती लागु होती हो वह भरना आवश्यक है।

क्रम	वहीवटदार का नाम	हस्ताक्षर
१		
२		
३		
४		
५		
६		
७		
८		
९		
१०		

नोंध :-ट्रस्ट मंडल के सभी सभ्यों के नाम लिख कर दस्तखत कराने की बिनती है।